समाजीकरण (Socialization)

जॉनसन (Johnson) → वह शिक्षण जो सीखने वाले को सामाजिक भूमिका सम्पन्न करने के लिए समर्थ बनाता है समाजीकरण कहलाता है — समाजीकरण वह सीखना है जो समाज के नियमों के अनुसार मान्य है।

गिलिन (Gillin & Gi.) → समाजीकरण से हमारा तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा व्यक्ति समूह में एक क्रियाशील सदस्य बनने हेतु समूह की विभिन्न कार्यविधियों से समन्वय स्थापित करता है, इसकी परम्पराओं का ध्यान रखता है और सामाजिक परिस्थितियों से अनुकूलन करके अपने साथियों के व्यवहार से सामंजस्य स्थापित करता है।

⇒ समाजीकरण का प्रक्रियात्मक पक्ष / विशेषता →

(i) समाजीकरण सीखने की प्रक्रिया है
(ii) एक आजन्म प्रक्रिया है।
(iii) समय व ज्ञान सापेक्ष है।
(iv) संस्कृति को आत्मसात करने की प्रक्रिया है
(v) समाज का प्रक्रियात्मक सदस्य बनने की प्रक्रिया
(vi) आत्म का विकास
(vii) सांस्कृतिक हस्तान्तरण

⇒ सीखने की प्रक्रिया — पियाजे का सिद्धान्त (Piaget)
— बाल मनोविज्ञान द्वारा — 6 अवस्था

(i) माँ का सम्पर्क व मुस्कुराहट
(ii) विशेष दृष्टिकोण द्वारा वस्तु को देखना
(iii) 3-6 माह के बीच - चीजों को पकड़ना
(iv) 9-10 " " " - चीजों को खोज करना
(v) 12-18 " " " - स्थान परिवर्तन को जानना
(vi) 15-19 " " " - कल्पना करना, बाहरी जगत को अन्तरीकृत

⇒ समाजीकरण के सोपान → (i) मौखिक (Oral stage)
(ii) शौच सोपान (Anal stage) - 3 साल तक
(iii) आडिपल " (Oedipal stage) - 4 → 12-13 साल
(iv) किशोरावस्था (Adolescent stage)
└ कैशोर्य संकट

= आडिपल - 4 वर्ष से प्रारम्भ - 5-6 वर्ष तक उसके बाद
= गुप्तावस्था (Latency period) - प्रारम्भ
↳ आडिपल (Oedipus complex) - लड़का
- इलेक्ट्रा (Electra complex) - लड़की

⇒ युवावस्था
प्रौढ़ अवस्था
वृद्धावस्था

समाजीकरण के प्रमुख अभिकरण (संस्थाएं)

(Major Agencies or Institutions of Socialization)

i) परिवार समाजीकरण करने वाली एक संस्था के रूप में :-
ii) क्रीड़ा समूह
iii) पड़ौस
iv) नातेदारी समूह
v) विवाह

द्वितीयक संस्थाओं का योगदान

i) शिक्षण संस्थाएँ
ii) राजनीतिक संस्थाएँ
iii) आर्थिक संस्थाएँ
iv) धार्मिक संस्थाएँ
v) सांस्कृतिक संस्थाएँ
vi) व्यवसाय समूह